Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित चेरापूंजी और मोसिनराम में वार्षिक वर्षा का औसत क्या है?

(अ) 9 सेंटीमीटर वार्षिक
(ब) 500 सेंटीमीटर वार्षिक
(स) 1080 सेंटीमीटर वार्षिक
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. भारत के तटीय क्षेत्र के निवासी तापमान की विषमता और ऋतु परिवर्तन का अनुभव क्यों नहीं कर पाते है?

(अ) उच्चावच के कारण
(ब) विषम जलवायु के कारण
(स) जलवायु के समकारी प्रभाव के कारण
(द) समुद्र तल से ऊंचाई के कारण

3. लंबे समय की मौसमी दशाओं के औसत को क्या कहते है?

(अ) जलवायु
(ब) मौसम
(स) वर्षा
(द) वायुदाब

4. भारत की जलवायु किस प्रकार की है?

(अ) अर्ध शुष्क स्टेपी जलवायु
(ब) शुष्क जलवायु
(स) उष्ण मानसूनी प्रकार की जलवायु
(द) उष्णकटिबंधीय जलवायु

5. भारत में वार्षिक वर्षा का औसत कितना है?

(अ) लगभग 125 सेंटीमीटर
(ब) लगभग 200 सेंटीमीटर
(स) लगभग 100 सेंटीमीटर
(द) लगभग 150 सेंटीमीटर

6. भारत के कितने भू-भाग पर 75 सेंटीमीटर से कम औसत वार्षिक वर्षा होती है?

(अ) आधा
(ब) दो-तिहाई
(स) एक-तिहाई
(द) तीन-चौथाई

7. ग्रीष्म ऋतु में केरल निकटवर्ती कहवा उत्पादन क्षेत्रों में होने वाली वर्षा को क्या कहते है?

(अ) आम्र वर्षा
(ब) लू
(स) फूलों वाली बौछार
(द) काल वैसाखी

8. वायुमंडल की क्षणिक अवस्था क्या कहलाती है?

(अ) वायुदाब
(ब) वर्षा
(स) मौसम
(द) जलवायु

9. ग्रीष्म काल में भारत के उत्तरी मैदानी भागों में चलने वाली शुष्क व गर्म हवाएं क्या कहलाती है?

(क) लू
(ख) मानसूनी हवाएं
(ग) काल बैसाखी
(घ) आम्र वर्षा

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. भारत की जलवायु को मुख्यतः कौन-सा कारक प्रभावित करता है?

(अ) समुद्र तट की लंबाई
(ब) हिमालय पर्वत श्रृंखला
(स) थार मरुस्थल
(द) दक्कन पठार

रिक्त स्थान

11. भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाला प्रमुख पर्वत _____ है।

12. उत्तर-पूर्व मानसून मुख्यतः _____ राज्यों में वर्षा कराता है।

सत्य/असत्य

13. उत्तर-पूर्व मानसून मुख्यतः शीत ऋतु में वर्षा कराता है।

14. हिमालय पर्वत भारत को ठंडी मध्य एशियाई हवाओं से बचाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. मॉसिनराम और चेरापूँजी में भारी वर्षा होती है। कारण बताइए।

16. लू किसे कहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. उत्तर-पश्चिम भारत में शीत ऋतु में भी वर्षा होती है। कारण बताइए।

18. पश्चिमी राजस्थान में बहुत थोड़ी वर्षा होती है। कारण बताइए।

निबंधात्मक प्रश्न

19. मानसून विच्छेद किसे कहते हैं। मानसून विच्छेद के क्या कारण हैं?

20. भूमंडलीय तापन के बारे में व्याख्या करें।

HOTS

21. मुंबई की अपेक्षा दिल्ली का तापांतर अधिक है। कारण बताइए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. **(स)**
मेघालय की खासी पहाड़ियों में स्थित चेरापूंजी और मोसिनराम में वार्षिक वर्षा का औसत 1080 सेंटीमीटर है।

2. **(स)**
लंबी तट रेखा के कारण भारत के तटीय प्रदेशों में जलवायु का समकारी प्रभाव पाया जाता है अर्थात पूरे साल भर लगभग एक जैसी जलवायु पाई जाती है। इसे ही जलवायु का समकारी प्रभाव कहते है। जबकि समुद्र तट से दूर और देश के आंतरिक भाग में रहने वाले लोग तापमान की विषमता और ऋतु परिवर्तन को आसानी से अनुभव कर पाते है।

3. **(अ)**
लंबे समय की मौसमी दशाओं के औसत को जलवायु जाता है।

4. **(स)**
भारत की जलवायु उष्ण मानसूनी प्रकार की है।

5. **(अ)**
भारत में वार्षिक वर्षा का औसत लगभग 125 सेंटीमीटर है।

6. **(द)** तीन-चौथाई

7. **(स)**
ग्रीष्म ऋतु में केरल वह निकटवर्ती कहवा उत्पादन क्षेत्रों में होने वाली वर्षा को फूलों वाली बौछार कहा जाता है।

8. **(स)**
वायुमंडल की क्षणिक अवस्था को मौसम कहा जाता है।

9. **(अ)**
ग्रीष्म काल में भारत के उत्तरी मैदानी भागों में चलने वाली गर्म व शुष्क हवाओं को लू कहा जाता है।

10. **(ब)**
हिमालय पर्वत श्रृंखला शीत ऋतु में ठंडी हवाओं को रोकती है तथा मानसूनी हवाओं को भारत की ओर मोड़कर वर्षा कराती है, इसलिए यह भारत की जलवायु पर निर्णायक प्रभाव डालती है।

11. हिमालय

12. तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश

13. सत्य

14. सत्य

15. **मॉसिनराम और चेरापूँजी में भारी वर्षा होती है। इसका कारण निम्नलिखित है :-**
मॉसिनराम और चेरापूँजी गारो, खासी, जयन्तिया पहाड़ियों से तीनों ओर से घिरा हुआ है, जिसके कारण बंगाल की खाड़ी से चलने वाली मानसूनी पवनें जब उनमें घुसती हैं तो उनमें से निकल नहीं पातीं और पहाड़ियों से टकराकर अधिक वर्षा करती हैं। इसलिए मॉसिनराम में संसार में सबसे अधिक वर्षा होती है।

16. उत्तरी मैदान में पंजाब से लेकर बिहार तक चलने वाली ये शुष्क, गर्म व पीड़ादायक पवनें हैं। दिल्ली और पटना के बीच इनकी तीव्रता अधिक होती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

17. उत्तरी पश्चिमी भारत में शीत ऋतु में वर्षा पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) के कारण होती है। यह एक गैर-मानसूनी वर्षा का प्रकार है जो भूमध्य सागर के ऊपर उत्पन्न होता है और भारत में प्रवेश करता है।

18. पश्चिमी राजस्थान में बहुत थोड़ी वर्षा होती है। इसका मुख्य कारण अरावली श्रृंखला का दक्षिण पश्चिम विशाखा के समानांतर होना है। यहां औसत वार्षिक वर्षा 9 सेंटीमीटर से कम होती है।

19. मानसून में विच्छेद - जब मानसून पवनें दो सप्ताह या इससे अधिक अवधि के लिए वर्षा करने में असफल रहती हैं तो वर्षा काल में शुष्क दौर आ जाता है। इसे मानसून का विच्छेद कहते है।

मानसून विच्छेद के निम्नलिखित कारण हैं-

i. उत्तरी भारत के विशाल मैदान में मानसून का विच्छेद उष्ण कटिबंधी चक्रवातों की संख्या कम हो जाने से और अंत:उष्ण कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र की स्थिति में बदलाव आने से होता है।

ii. पश्चिमी तट पर मानसून विच्छेद तब होता है, तब आर्द्र पवनें तट के समानांतर बहने लगे।

iii. राजस्थान में मानसून विच्छेद तब होता है, जब वायुमंडल के निम्न स्तरों पर तापमान की विलोमता वर्षा करने वाली आर्द्र पवनों को ऊपर उठने से रोक देती हैं।

20. वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की बढ़ती मात्रा व सान्द्रण से उत्पन्न ग्रीन हाउस प्रभाव द्वारा भूमण्डलीय तापमान में वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन को सर्वप्रथम वर्ष 1988 में संयुक्त राष्ट्रीय पर्यावरण कार्यक्रम की बैठक में एक महत्त्वपूर्ण वैश्विक मुद्दा घोषित किया गया। उसी साल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम एवं विश्व-मौसम संगठन द्वारा जलवायु परिवर्तन पर इन्टरगवर्नमेन्टल पैनल की स्थापना की गई। मानवीय क्रियाओं द्वारा उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड की वृद्धि चिंता का मुख्य कारण है। जीवाश्म ईंधनों के जलने से वायुमंडल में इस गैस की मात्रा क्रमशः बढ़ रही है। कुछ अन्य गैसें, जैसे-मीथेन, क्लोरो फ्लोरो कार्बन, ओजोन और नाइटस ऑक्साइड वायुमंडल में अल्प मात्रा में विद्यमान हैं। इन्हें तथा कार्बन डाइऑक्साइड को हरितगृह गैसें कहते हैं। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में अन्य चार गैसें दीर्घ तरंगी विकिरण का ज्यादा अच्छी तरह से अवशोषण करती हैं, इसीलिए हरितगृह प्रभाव को बढ़ाने में उनका अधिक योगदान है। इन्हीं के प्रभाव से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। विगत 150 वर्षों में पृथ्वी की सतह का औसत वार्षिक तापमान बढ़ा है। ऐसा अनुमान है कि सन 2100 में भूमंडलीय तापमान लगभग 2° सेल्सियस बढ़ जाएगा। तापमान के बढ़ने से हिमानियों और समुद्री बर्फ के पिघलने से समुद्र का जल स्तर ऊपर उठ जाएगा और कई समुद्र तटवर्ती नगर डूब जाएँगे। आई.पी.सी.सी. की तीसरी मूल्यांकन (200 ए) रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन द्वारा अगले सौ सालों में भूमंडलीय तापमान में 1.5 से 5.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इस तथ्य ने पर्यावरण व मौसम वैज्ञानिकों के साथ-साथ विश्व-समुदाय को खुले दिमाग से चिन्तन करने पर मजबूर कर दिया है।

21. मुंबई का मौसम उष्णकटिबंधीय है, जबकि दिल्ली में एक बार उष्णकटिबंधीय है जो मानसून के प्रभाव से जलवायु को समृद्ध और विविध बनाता है। जबकि मुंबई में जलवायु 5 महीनों के लिए शुष्क रहती है तथा जबकि दिसंबर और जनवरी में कठोर सर्दी होती है। मुंबई में औसत वर्षा दिल्ली की तुलना में काफी अधिक है, और मुंबई में तापमान की तुलना में अधिक भिन्नता देखी जाती है, यहां वर्षभर 25-27 डिग्री सेल्सियस तापमान रहता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES